Aao Aao Padharo Ganraj Ji Lyrics in Hindi English

Aao Aao Padharo Ganraj Ji Lyrics in Hindi

आओ आओ गणराज गणेश जी
मोरे अंगना पधारो श्री गणेश जी
माँ गौरा के लाड़ले गणेश जी
मोरे अंगना पधारों श्री गणेश जी…..

प्रथमे तुमको जो भी धयावे,
रिद्धि सिद्धि का फल वो पावे,
तुम काटो सकल क्लेश जी,
मोरे अंगना पधारों ……

जय जय गणराज तुम्हारी,
कृपा करो जाए हम बलिहारी,
तुम रहना साथ हमेश जी,
मोरे अंगना पधारों……

आओ आओ गणराज गणेश जी

Aao Aao Padharo Ganraj Ji Lyrics in English

Aao Aao Ganraj Ganesh Ji

Aao aao Ganraj Ganesh Ji
More angna padhaaro Shri Ganesh Ji
Maan Gaura ke laadle Ganesh Ji
More angna padhaaro Shri Ganesh Ji.....

Prathame tumko jo bhi dhyave,
Riddhi Siddhi ka phal vo paave,
Tum kaato sakal klesh Ji,
More angna padhaaro ……

Jai Jai Ganraj tumhaari,
Kripa karo jaaye hum balihari,
Tum rehna saath hamesh Ji,
More angna padhaaro……

Aao aao Ganraj Ganesh Ji

About Aao Aao Padharo Ganraj Ji Bhajan in English

“Aao Aao Padharo Ganraj Ji” is a devotional bhajan dedicated to **Lord Ganesha**, the remover of obstacles and the God of new beginnings, wisdom, and prosperity. This bhajan is a heartfelt invitation to **Lord Ganesha** to come into the devotee’s life and bring blessings of **riddhi** (prosperity) and **siddhi** (spiritual success). It expresses the devotee’s reverence, love, and gratitude toward Lord

Ganesha, seeking his divine intervention and grace in overcoming difficulties and achieving success.

- **Invitation to Lord Ganesha:** The bhajan begins with a warm invitation to **Lord Ganesha** to come and bless the devotee's home, "Aao aao Ganraj Ganesh Ji, mohre angna padharo Shri Ganesh Ji." This emphasizes the deep desire of the devotee to have Ganesha's divine presence in their life, bringing peace, blessings, and joy.
- **Ganesha's Blessings of Prosperity and Success:** The next verse speaks of the **riddhi and siddhi** (prosperity and spiritual success) that come with Ganesha's blessings. "Prathame tumko jo bhi dhyave, riddhi siddhi ka phal wo pave." This line highlights that worshipping Lord Ganesha with sincerity and devotion brings fulfillment of material and spiritual desires. The devotee seeks Ganesha's grace to remove obstacles and provide success in their endeavors.
- **Lord Ganesha as the Remover of Obstacles:** The bhajan continues by emphasizing Ganesha's divine ability to remove all difficulties, "Tum kaato sakal klesh ji," indicating that by seeking Ganesha's blessings, all troubles and obstacles can be overcome. This reflects Ganesha's role as the ultimate remover of obstacles in both material and spiritual pursuits.
- **Devotee's Surrender to Lord Ganesha:** The line "Jai Jai Ganraj tumhari, kripa karo jaaye hum balihari" expresses the devotee's heartfelt praise for Lord Ganesha and their humble surrender to his grace. The devotee acknowledges Ganesha's supreme power and seeks his guidance and blessings, saying that they are ready to offer everything in devotion.
- **Continuous Presence of Lord Ganesha:** The devotee prays for Ganesha to always remain with them, "Tum rehna saath hamesh ji," reflecting a deep desire for Lord Ganesha's constant divine presence in their life, guiding them through every challenge and blessing them with wisdom and success.
- **A Joyful and Reverent Invitation:** The bhajan ends by repeating the invitation for Lord Ganesha to come and bless the devotee's home and life, "Aao aao Ganraj Ganesh Ji," reinforcing the deep affection and reverence the devotee has for the deity and their eagerness to receive his divine blessings.

Overall, **"Aao Aao Padharo Ganraj Ji"** is a soulful bhajan that reflects the devotee's longing for Lord **Ganesha**'s blessings in all aspects of life. It celebrates Ganesha's role as the remover of obstacles and the bestower of prosperity and success. The bhajan expresses love, devotion, and complete surrender to Lord Ganesha, seeking his divine intervention in achieving happiness, peace, and success.

About Aao Aao Padharo Ganraj Ji Bhajan in Hindi

"आओ आओ पधारो गणराज जी" भजन के बारे में

"**आओ आओ पधारो गणराज जी**" एक अत्यंत भक्ति और श्रद्धा से भरा भजन है जो **भगवान गणेश** की पूजा और उनके प्रति भक्तों की अपार श्रद्धा को व्यक्त करता है। यह भजन गणेश जी को अपने घर और जीवन में आकर भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करता है। इस भजन के माध्यम से भक्त गणेश जी से उनके आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं, ताकि वे जीवन के सभी कष्टों और समस्याओं को दूर कर सकें और उन्हें सुख, समृद्धि, और सफलता प्राप्त हो।

- **भगवान गणेश का आह्वान :** भजन की शुरुआत में गणेश जी को आमंत्रित किया जाता है, "आओ आओ गणराज गणेश जी, मोरे अंगना पधारो श्री गणेश जी।" यह पंक्ति भक्तों की इच्छा को दर्शाती है कि वे भगवान गणेश की दिव्य उपस्थिति को अपने जीवन में महसूस करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।
- **रिद्धि और सिद्धि का वरदान :** भजन में भगवान गणेश से रिद्धि और सिद्धि (समृद्धि और आध्यात्मिक सफलता) का वरदान मांगा जाता है, "प्रथमे तुमको जो भी धयावे, रिद्धि सिद्धि का फल वो पावे।" यह पंक्ति यह बताती है कि जो

भक्त भगवान गणेश की सच्चे मन से पूजा करते हैं, उन्हें रिद्धि और सिद्धि की प्राप्ति होती है, अर्थात उनके सभी काम बिना किसी विघ्न के पूरे होते हैं।

- **विघ्न विनाशक गणेश जी :** भगवान गणेश को विघ्नों का नाश करने वाला कहा गया है, "तुम काटो सकल क्लेश जी।" इस पंक्ति के माध्यम से भक्त भगवान गणेश से अपनी परेशानियों और कष्टों से छुटकारा पाने की प्रार्थना करते हैं, यह मानते हुए कि गणेश जी ही सभी विघ्नों को दूर करने वाले हैं।
- **भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा :** भजन में भगवान गणेश के प्रति भक्तों की श्रद्धा और भक्ति को व्यक्त किया गया है, "जय जय गणराज तुम्हारी, कृपा करो जाए हम बलिहारी।" यह पंक्ति भगवान गणेश की महिमा का गुणगान करते हुए उनके आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त करती है। भक्त भगवान गणेश से उनकी कृपा की अपील करते हैं ताकि उनका जीवन खुशहाल और समृद्ध हो सके।
- **भगवान गणेश का हमेशा साथ होना :** भजन में यह भी प्रार्थना की जाती है कि गणेश जी हमेशा भक्तों के साथ रहें और उनका मार्गदर्शन करें, "तुम रहना साथ हमेश जी।" यह दर्शाता है कि भक्त चाहते हैं कि भगवान गणेश उनके जीवन के हर पहलु में साथ रहें, उनका समर्थन करें और उन्हें सही मार्ग पर चलने की शक्ति दें।
- **गणेश जी का दिव्य स्वागत :** भजन का अंत गणेश जी को फिर से आमंत्रित करते हुए होता है, "आओ आओ गणराज गणेश जी" जो भक्तों की श्रद्धा और प्रेम को दर्शाता है। यह आह्वान भगवान गणेश के साथ एक दिव्य संबंध स्थापित करने की इच्छा को व्यक्त करता है।

कुल मिलाकर, **"आओ आओ पधारो गणराज जी"** भजन भगवान गणेश के प्रति भक्तों की प्रेम और श्रद्धा को व्यक्त करने वाला एक सुंदर भजन है। यह भजन गणेश जी से आशीर्वाद प्राप्त करने, जीवन के सभी विघ्नों को दूर करने और समृद्धि और सुख की प्राप्ति की प्रार्थना करता है। भक्त इस भजन के माध्यम से भगवान गणेश के साथ अपने संबंध को और भी गहरा करने की इच्छा रखते हैं।